विदेश में फ्री पढ़ाई! नेशनल ओवरसीज स्कॉलरशिप 2026 के लिए करें अप्लाई

विषय सूची (Table of Contents):

>> नेशनल ओवरसीज स्कॉलरशिप 2026 विदेशों में मुफ्त उच्च शिक्षा का मौका...
>> क्या है नेशनल ओवरसीज स्कॉलरशिप योजना?...
>> लक्षित वर्ग और उद्देश्य...
>> आवेदन की महत्वपूर्ण तिथियां और फॉर्म में सुधार की जानकारी...
>> महत्वपूर्ण तिथियों की सूची (Latest Update)...
>> ट्यूशन फीस से लेकर हवाई यात्रा तक सरकार उठाएगी पूरा खर्च...
>> स्कॉलरशिप के तहत मिलने वाले वित्तीय लाभ...
>> स्कॉलरशिप के लिए आवश्यक पात्रता और पारिवारिक आय सीमा...
>> पात्रता मानदंड और शर्तें...
>> उपलब्ध कुल सीटें और महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षण...
>> सीटों का श्रेणीवार विवरण...
>> आवेदन फॉर्म भरने के लिए आवश्यक दस्तावेजों की सूची...
>> महत्वपूर्ण दस्तावेजों की चेकलिस्ट...
>> योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन कैसे और कहां करें?...
>> आवेदन करने के चरणबद्ध निर्देश...
>> निष्कर्ष...
>> आपके सवाल, हमारे जवाब...

विदेशी विश्वविद्यालयों की महंगी ट्यूशन फीस, रहने-खाने का भारी खर्च और अंतरराष्ट्रीय यात्रा की लागत हमेशा से ही भारतीय छात्रों के लिए एक बड़ी चुनौती रही है। बहुत से मेधावी छात्र पैसों की तंगी के कारण विदेश में उच्च शिक्षा पाने का अपना सपना पूरा नहीं कर पाते हैं। इसी समस्या को दूर करने के लिए भारत सरकार की तरफ से एक बेहतरीन पहल की गई है। केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रहीनेशनल ओवरसीज स्कॉलरशिप 2026 (National Overseas Scholarship - NOS)के जरिए अब आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्गों के होनहार युवाओं को विदेशों में मुफ्त उच्च शिक्षा प्राप्त करने का एक सुनहरा अवसर मिल रहा है।

नेशनल ओवरसीज स्कॉलरशिप 2026: विदेशों में मुफ्त उच्च शिक्षा क

शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नेशनल ओवरसीज स्कॉलरशिप योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन (apply online) की प्रक्रिया को आधिकारिक तौर पर शुरू कर दिया गया है। केंद्र सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य देश के प्रतिभावान छात्रों को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ने के समान अवसर प्रदान करना है। यदि आप भी दुनिया की टॉप 500 यूनिवर्सिटीज से मास्टर्स (Masters) या पीएचडी (PhD) की डिग्री हासिल करना

चाहते हैं, तो यह योजना आपके लिए एक बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हो सकती है। सरकार इस स्कॉलरशिप के माध्यम से वित्तीय बाधाओं को पूरी तरह से समाप्त कर देती है।

सरकारी योजनाओं के इस दौर में जहां युवाओं को आगे बढ़ने के लिए कई तरह के अवसर मिल रहे हैं, वहीं देश में रोजगार और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए अन्य कल्याणकारी कदम भी उठाए जा रहे हैं। उदाहरण के लिए, जो युवा भारत में रहकर खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, वे फ्री लोन! पीएम मुद्रा योजना से 10 लाख तक का स्वरोजगार लोन, अभी आवेदन करेंका लाभ उठा सकते हैं। वहीं शिक्षा के क्षेत्र में नवीनतम नियुक्तियों और भर्ती की पल-पल की खबरों के लिए आपवर्षा यादव: सरकारी नौकरी की हर अपडेट, लाखों युवाओं की उम्मीद! जानें क्यों?की रिपोर्ट भी देख सकते हैं।

क्या है नेशनल ओवरसीज स्कॉलरशिप योजना?

नेशनल ओवरसीज स्कॉलरशिप (NOS) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा संचालित एक विशेष केंद्रीय क्षेत्र की योजना है। यह योजना समाज के उन तबकों के उत्थान के लिए समर्पित है जो आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े हुए हैं। इसका मुख्य लक्ष्य चयनित उम्मीदवारों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के शिक्षण संस्थानों में भेजकर उनके करियर को एक नई ऊंचाई देना है।

लक्षित वर्ग और उद्देश्य

>> अनुसूचित जाति (SC):इस वर्ग के होनहार छात्रों को अंतरराष्ट्रीय शोध और शिक्षा से जोड़ना।

>> अनुसूचित जनजाति (ST):जनजातीय क्षेत्रों के युवाओं को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाना।

>> विमुक्त जनजातियां (DNT):घुमंतू और अर्ध-घुमंतू समुदायों के बच्चों को उच्च शिक्षा का अवसर।

>> भूमिहीन कृषि मजदूर और पारंपरिक कारीगर:ऐसे परिवार जो खेती-मजदूरी या पारंपरिक हस्तशिल्प से जुड़े हैं, उनके बच्चों को विदेशों में पढ़ाई के लिए सशक्त बनाना।

आवेदन की महत्वपूर्ण तिथियां और फॉर्म में सुधार की जानकारी

नेशनल ओवरसीज स्कॉलरशिप 2026 के लिए आवेदन करने वाले इच्छुक उम्मीदवारों को समय-सीमा का विशेष ध्यान रखना होगा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा जारी की गई आधिकारिक समय सारणी के अनुसार, इस योजना के लिए रजिस्ट्रेशन पोर्टल को लाइव कर दिया गया है।

महत्वपूर्ण तिथियों की सूची (Latest Update)

>> आवेदन शुरू होने की तिथि:24 अप्रैल 2026

>> आवेदन करने की अंतिम तिथि (Last Date):2 जून 2026

>> आवेदन पत्र में सुधार (Correction Window):4 जून 2026 से 7 जून 2026 तक

मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद या अधूरे भरे गए किसी भी आवेदन को स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही छात्रों को सलाह दी गई है कि वे समय-समय पर पोर्टल पर जाकर अपने आवेदन का स्टेटस (status check) भी देखते रहें।

ट्यूशन फीस से लेकर हवाई यात्रा तक: सरकार उठाएगी पूरा खर्च

इस स्कॉलरशिप की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह एक पूर्णतः वित्त पोषित (fully funded) योजना है। इसमें चयनित होने वाले छात्रों को किसी भी प्रकार के वित्तीय संकट का सामना नहीं करना पड़ता, क्योंकि पढ़ाई और रहने से जुड़े सभी बड़े खर्चों का वहन सीधे केंद्र सरकार द्वारा किया जाता है।

स्कॉलरशिप के तहत मिलने वाले वित्तीय लाभ

>> पूरी ट्यूशन फीस:विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा ली जाने वाली वास्तविक ट्यूशन फीस का पूरा भुगतान सरकार करेगी।

>> वार्षिक मेंटेनेंस अलाउंस:छात्रों को रहने, खाने और निजी खर्चों के लिए प्रतिवर्ष लगभग 15,400 अमेरिकी डॉलर (USD) का भत्ता दिया जाता है।

>> हवाई यात्रा का खर्च:भारत से संबंधित विदेशी गंतव्य तक जाने और कोर्स पूरा होने पर वापस आने के लिए इकोनॉमी क्लास का हवाई टिकट।

>> वीजा और चिकित्सा बीमा:छात्र वीजा के लिए लगने वाला शुल्क और विदेश में रहने के दौरान आवश्यक हेल्थ इंश्योरेंस का प्रीमियम।

>> अन्य शैक्षणिक खर्च:किताबों, शोध पत्रों और अन्य जरूरी सामग्री के लिए अतिरिक्त वित्तीय सहायता।

>> अवधि:यह सहायता मास्टर्स डिग्री के लिए अधिकतम 3 वर्ष और पीएचडी (PhD) अनुसंधान के लिए अधिकतम 4 वर्ष तक मान्य होती है।

जिस तरह सरकार पढ़ाई के लिए इतना बड़ा सहयोग दे रही है, उसी तरह देश के भीतर गरीब परिवारों के बुनियादी जीवन स्तर को सुधारने के लिए भी कई योजनाएं सक्रिय हैं। सामाजिक कल्याण की ऐसी ही एक और पहल के बारे में जानने के लिए आपगरीबों की मौज! 21 हजार परिवारों को मिलेगा फ्री आवास और पेंशनकी विस्तृत रिपोर्ट पढ़ सकते हैं।

स्कॉलरशिप के लिए आवश्यक पात्रता और पारिवारिक आय सीमा

नेशनल ओवरसीज स्कॉलरशिप 2026 का लाभ केवल उन्हीं उम्मीदवारों को दिया जाएगा जो सरकार द्वारा निर्धारित कड़े पात्रता मानदंडों को पूरा करेंगे। इन मानदंडों में शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा और पारिवारिक आय के नियम शामिल हैं।

पात्रता मानदंड और शर्तें

>> आयु सीमा: आवेदन करने वाले उम्मीदवार की आयु 35 वर्ष से कम होनी चाहिए।

>> पारिवारिक आय सीमा (SC, DNT, कृषि मजदूर, कारीगर): आवेदक के पूरे परिवार की सभी स्रोतों से वार्षिक आय 8 लाख रुपये प्रति वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

>> पारिवारिक आय सीमा (ST वर्ग): अनुसूचित जनजाति वर्ग के आवेदकों के लिए पारिवारिक आय की सीमा अधिकतम 6 लाख रुपये प्रति वर्ष निर्धारित की गई है।

>> शैक्षणिक आवश्यकता: उम्मीदवार के पास दुनिया के टॉप 500 (QS या टाइम्स हायर एजुकेशन रैंकिंग के अनुसार) विदेशी विश्वविद्यालयों में से किसी एक से मास्टर्स या पीएचडी कोर्स के लिए बिना शर्त प्रवेश पत्र (Unconditional Offer Letter) होना अनिवार्य है।

उपलब्ध कुल सीटें और महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षण

चूंकि यह एक बेहद प्रतिष्ठित और उच्च स्तरीय स्कॉलरशिप योजना है, इसलिए इसमें सीटों की संख्या सीमित रखी गई है। प्रतिवर्ष सरकार द्वारा इस योजना के तहत कुल 125 सीटें आवंटित की जाती हैं। इन सीटों का वर्गीकरण विभिन्न सामाजिक श्रेणियों के आधार पर किया गया है ताकि समाज के हर वंचित हिस्से को उचित प्रतिनिधित्व मिल सके।

सीटों का श्रेणीवार विवरण

>> अनुसूचित जाति (SC): 115 सीटें

>> विमुक्त, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू जनजातियां (DNT): 06 सीटें

>> भूमिहीन कृषि मजदूर और पारंपरिक कारीगर: 04 सीटें

>> महिला आरक्षण: कुल उपलब्ध 125 सीटों में से 30 प्रतिशत सीटें (यानी लगभग 37-38 सीटें) महिला उम्मीदवारों के लिए विशेष रूप से आरक्षित की गई हैं।

आवेदन फॉर्म भरने के लिए आवश्यक दस्तावेजों की सूची

पोर्टल पर ऑनलाइन फॉर्म (online form) भरते समय उम्मीदवारों को अपने सभी प्रासंगिक दस्तावेजों की स्कैन की हुई कॉपियां अपलोड करनी होंगी। किसी भी गलत या फर्जी दस्तावेज के पाए जाने पर आवेदन तुरंत निरस्त कर दिया जाएगा। दिशानिर्देशों (guidelines PDF) के अनुसार निम्नलिखित कागजात तैयार रखना आवश्यक है:

महत्वपूर्ण दस्तावेजों की चेकलिस्ट

>> पहचान के प्रमाण के रूप में आधिकारिक पहचान पत्र।

>> सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया वैध जाति श्रेणी प्रमाण पत्र (SC ST DNT)।

>> नवीनतम वित्तीय वर्ष का पारिवारिक आय प्रमाण पत्र (Income Certificate)।

>> सभी शैक्षणिक प्रमाणपत्र, डिग्रियां और सेमेस्टर-वार मार्कशीट।

>> विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा जारी किया गया अनकंडीशनल ऑफर लेटर (बिना शर्त प्रवेश पत्र)।

>> पीएचडी (PhD) के आवेदकों के लिए एक विस्तृत रिसर्च प्रपोजल (Research Proposal)।

>> भूमिहीन कृषि मजदूर या पारंपरिक कारीगर होने का आधिकारिक रोजगार पेशा प्रमाण पत्र (यदि लागू हो)।

योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन कैसे और कहां करें?

नेशनल ओवरसीज स्कॉलरशिप 2026 के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह से डिजिटल है। आवेदकों को उनकी श्रेणी के आधार पर संबंधित मंत्रालयों के आधिकारिक वेब पोर्टल के माध्यम से ही अपना फॉर्म जमा करना होगा। ऑफलाइन माध्यम से भेजे गए किसी भी आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

आवेदन करने के चरणबद्ध निर्देश

>> SC, DNT, कृषि मजदूर और कारीगर श्रेणी के लिए:इन श्रेणियों के छात्रों को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय (MSJE) के आधिकारिक नेशनल ओवरसीज स्कॉलरशिप पोर्टल पर जाना होगा।

>> ST श्रेणी के लिए:अनुसूचित जनजाति के छात्रों को जनजातीय कार्य मंत्रालय (Ministry of Tribal Affairs) के विशेष एनओएस पोर्टल के माध्यम से अपना पंजीकरण करना होगा।

>> पंजीकरण और लॉगिन:सबसे पहले पोर्टल पर जाकर न्यू रजिस्ट्रेशन करें। इसके बाद प्राप्त यूजर आईडी और पासवर्ड की मदद से लॉगिन करें।

>> विवरण भरें:आवेदन फॉर्म में मांगी गई सभी व्यक्तिगत, पारिवारिक और शैक्षणिक जानकारियों को ध्यानपूर्वक दर्ज करें।

>> दस्तावेज अपलोड करें:ऊपर बताई गई सूची के अनुसार सभी आवश्यक दस्तावेजों को सही साइज और फॉर्मेट में अपलोड करें।

>> समीक्षा और सबमिट:फॉर्म को अंतिम रूप से सबमिट करने से पहले सभी प्रविष्टियों की दोबारा जांच कर लें और सबमिशन के बाद पावती (Acknowledgement Receipt) का प्रिंटआउट सुरक्षित रख लें।

निष्कर्ष

भारत सरकार की नेशनल ओवरसीज स्कॉलरशिप 2026 योजना देश के उन होनहार छात्रों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है, जिनके पास प्रतिभा तो है लेकिन विदेशों में पढ़ाई करने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। ट्यूशन फीस से लेकर रहने-खाने और हवाई यात्रा तक का पूरा खर्च उठाकर सरकार ने वास्तव में वैश्विक शिक्षा के द्वार भारतीय युवाओं के लिए खोल दिए हैं। यदि आप भी इस योजना के दायरे में आते हैं और आपके पास विदेशी यूनिवर्सिटी का ऑफर लेटर है, तो बिना देरी किए 2 जून 2026 की अंतिम तिथि से पहले आधिकारिक पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन आवेदन अवश्य करें और अपने सुनहरे भविष्य की नींव रखें।

आपके सवाल, हमारे जवाब

इस स्कॉलरशिप योजना के तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 2 जून 2026 निर्धारित की गई है।

नहीं, यह योजना विशेष रूप से अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST), विमुक्त जनजातियों (DNT), भूमिहीन कृषि मजदूरों और पारंपरिक कारीगर परिवारों के छात्रों के लिए ही चलाई जा रही है।

योजना के तहत विश्वविद्यालय की पूरी ट्यूशन फीस माफ होती है। इसके अलावा रहने-खाने के लिए लगभग 15,400 अमेरिकी डॉलर का वार्षिक मेंटेनेंस अलाउंस, वीजा फीस, स्वास्थ्य बीमा और हवाई यात्रा का पूरा खर्च मिलता है।

हाँ, सरकार आवेदकों को फॉर्म सुधारने का मौका देगी। इसके लिए 4 जून से 7 जून 2026 तक ऑनलाइन करेक्शन विंडो (Correction Window) खोली जाएगी।

इस योजना के तहत हर साल कुल 125 सीटें मिलती हैं। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए कुल सीटों में से 30 प्रतिशत सीटें महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रखी गई हैं।

नहीं, आवेदन करने के लिए आपके पास किसी मान्यता प्राप्त विदेशी विश्वविद्यालय (अधिमानत: दुनिया के टॉप 500 संस्थान) से मास्टर्स या पीएचडी कोर्स में बिना शर्त प्रवेश पत्र (Unconditional Offer Letter) होना अनिवार्य है।